NATIONAL SERVICE SCHEME

MAHILA SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, BAHRAICH

2025-26

Professor (Dr.) Priya Mukherjee

Principal/Patron

Dr. Amrita Mishra

Program Officer

महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय,बहराइच (उ0प्र0)

सम्बद्ध : डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

राष्ट्रीय सेवा योजना

सप्त दिवसीय विशेष शिविर

दिनॉक–09–02–2026 से दिनांक–15–02–2026 तक

सत्र : 2025–2026

महिला महाविद्यालय, बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक का सप्त विवसीय विशेष शिविर दिनांक 09-02-2026 से ग्राम सिसई हैदर, विकास खण्ड तेजवापुर में प्रारम्भ हुआ। शिविर के प्रथम दिवस प्रातः महाविद्यालय परिसर से कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा के नेतृत्व में स्वयंसेवी छात्राओं ने शिविर स्थल प्राथमिक विद्यालय, सिसई हैदर के लिए प्रस्थान किया। शिविर स्थल पर पहुंचकर छात्राओं ने सर्वप्रथम सामूहिक रूप से परिसर की साफ-सफाई की तथा पूरे उत्साह अनुशासन एवं सेवा-भावना के साथ वातावरण को व्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाया। तत्पश्चात् विधिवत रूप से शिविर का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मनीषा खन्ना द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर शिविर का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन सत्र में छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण राष्ट्रसेवा एवं समर्पण की भावना से ओत-प्रोत हो उठा। अपने उद्बोधन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल उद्देश्य **नॉट, मी, बट यू** की भावना को स्पष्ट करते हुए छात्राओं को सेवा, समर्पण, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक किया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की परिकल्पना, उसके महत्व तथा सामुदायिक विकास में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही शिविर के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वच्छता अभियान, साक्षरता जागरूकता एवं सामाजिक उत्थान से संबंधित गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। शिविर संचालन को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने हेतु डॉ0 अमृता मिश्रा ने स्वयंसेवी छात्राओं को पाँच टोलियों रजिया सुल्ताना, उदा देवी, रानी लक्ष्मी बाई, कल्पना चावला एवं अहिल्याबाई में विभाजित किया। प्रत्येक टोली को विशिष्ट उत्तरदायित्व सौंपे गए तथा उन्हें शिविर के नियमों, उद्देश्यों एवं अनुशासन संबंधी निर्देशों से अवगत कराया गया। छात्राओं को टीम भावना, नेतृत्व कौशल एवं

सामूहिक सहयोग के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया छात्राओं द्वारा सिसई हैदर ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ श्रमदान किया तथा विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई की। साथ ही बच्चों एवं ग्रामवासियों को स्वच्छता के महत्व, स्वच्छ पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। शिविर के प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया गया। अपने संबोधन में उन्होंने स्वच्छता एवं सेवा भाव के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्राओं ने व्याख्यान को अत्यन्त रुचि एवं ध्यानपूर्वक सुना। प्रथम दिवस का कार्यक्रम अत्यन्त उत्साहपूर्ण, अनुशासित एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसने आगामी छह दिनों की गतिविधियों के लिए सशक्त आधार प्रदान किया। शिविर के प्रथम दिवस का समापन राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ अनुशासित एवं राष्ट्रभाव से ओतप्रोत वातावरण में किया गया।

my city
लखनऊ | मंगलवार • 10.02.2026
अमर उजाला

महिला पीजी कॉलेज में सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू

बहराइच के महिला पीजी कॉलेज में एनएसएस शिविर के शुभारंभ पर मौजूद शिक्षिकाएं व छात्राएं। -संवाद

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की प्रथम इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ कॉलेज परिसर में किया गया। शिविर के पहले दिन छात्राओं ने ग्राम सिसई हैदर स्थित प्राथमिक विद्यालय में पहुंचकर श्रमदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा लक्ष्य गीत के सामूहिक गान के साथ हुई।

शिविर का निर्देशन कर रहीं एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमृता मिश्रा ने बताया कि छात्राओं ने श्रमदान के साथ-साथ बच्चों और ग्रामवासियों को स्वच्छता के महत्व, पर्यावरण संरक्षण और बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। शिविर के दूसरे सत्र में डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव ने छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भाव के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इस सात दिवसीय शिविर के दौरान प्रतिदिन सामाजिक जागरूकता, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। (संवाद)

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

शहर 30s

लक्ष्य गीत का सामूहिक गायन करतीं एनएसएस की स्वयंसेविकाएं।

एनएसएस का सात दिवसीय शिविर शुरू

बहराइच। महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अमृता मिश्रा के निर्देशन में किया गया। उद्घाटन महाविद्यालय में किया गया। इस दौरान एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने लक्ष्य गीत का सामूहिक गायन किया। प्रथम दिन स्वयंसेविकाओं ने प्राथमिक विद्यालय सिसई हैदर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

09/03/2026

दिनांक 10 फरवरी 2026 को महिला महाविद्यालय, बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई–एक द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का द्वितीय दिवस अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं सेवा-भावना के साथ प्रारम्भ हुआ। शिविर की निर्धारित थीम **"साक्षर भारत"** रही, जिसके अंतर्गत विविध जागरूकता एवं जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रातः काल कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा के नेतृत्व में 50 स्वयंसेविकाओं ने शिविर स्थल के लिए प्रस्थान किया। शिविर स्थल पर पहुँचकर सर्वप्रथम स्वयंसेविकाओं की उपस्थिति दर्ज की गई। तत्पश्चात सभी स्वयंसेविकाएँ पंक्तिबद्ध होकर राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत एवं राष्ट्रगान गाते हुए राष्ट्रप्रेम एवं सेवा-समर्पण की भावना से ओत-प्रोत हुईं। इसके उपरांत कार्यक्रम अधिकारी द्वारा दिनभर की गतिविधियों की रूपरेखा एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। योगाभ्यास एवं प्रार्थना सत्र के पश्चात स्वयंसेविकाएँ अपनी-अपनी टोलियों के साथ निर्धारित कार्यस्थलों की ओर प्रस्थान कर गईं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न टोलियों ने निम्नलिखित कार्य संपादित किए।

रानी लक्ष्मीबाई टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गांव की गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई का कार्य किया तथा चूने का छिड़काव कर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

अहिल्याबाई टोली की स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों को मतदान के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने की प्रेरणा दी तथा लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता की भूमिका को स्पष्ट किया।

उदा देवी टोली की स्वयंसेविकाओं ने साक्षरता अभियान के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से परिचित कराया। स्वयंसेविकाओं ने महिलाओं को अपना नाम लिखने का अभ्यास कराया तथा उन्हें अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया।

रजिया सुल्ताना टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया। उन्होंने विभिन्न बीमारियों के कारण, बचाव एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की तथा जननी एवं शिशु सुरक्षा अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं और शिशुओं के टीकाकरण एवं पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी दी।

कल्पना चावला टोली की स्वयंसेविकाओं ने शिविरार्थियों एवं सहयोगियों के लिए भोजन व्यवस्था का दायित्व संभाला तथा समर्पण भाव से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

शिविर के प्रथम सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा एवं श्रीमती ज्योति त्रिपाठी के निर्देशन में स्वयंसेविकाओं ने ग्राम की गलियों में स्वच्छता रैली निकाली। रैली के माध्यम से “स्वच्छ ग्राम–स्वस्थ ग्राम”, “पराली न जलाएँ–पर्यावरण बचाएँ” जैसे प्रभावशाली नारों द्वारा ग्रामीणों को जागरूक किया गया। स्वयंसेविकाओं ने खेतों में पराली न जलाने एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

“साक्षर भारत” थीम के अंतर्गत साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वयंसेविकाओं ने प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को पढ़ाकर उनमें अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न की तथा शिक्षण के माध्यम से ज्ञानार्जन का महत्व समझाया। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु साक्षरता की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

शिविर के द्वितीय सत्र में दोपहर के भोजन के पश्चात बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत श्रीमती ज्योति त्रिपाठी द्वारा **“महिला साक्षरता”** विषय पर एक अत्यंत सारगर्भित एवं प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ”महिला साक्षरता केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं, बल्कि समूचे समाज के विकास की आधारशिला है। जब एक महिला शिक्षित होती है, तब पूरा परिवार और राष्ट्र सशक्त होता है।

कार्यक्रम में श्रीमती ज्योति त्रिपाठी, डॉ0. सायरा खातून, डॉ0. यासमीन फातिमा, डॉ0 लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने शिविर में उपस्थित रहकर अपना सहयोग दिया। सभी ने स्वयंसेविकाओं के अनुशासन, समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता की प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

द्वितीय दिवस का समस्त कार्यक्रम अत्यंत सफल, उद्देश्यपरक एवं प्रेरणादायी रहा। शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज में साक्षरता, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा स्वयंसेविकाओं में सेवा, नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करना रहा। इस प्रकार शिविर का द्वितीय दिवस समाजोपयोगी गतिविधियों एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ।

my city
लखनऊ | बुधवार • 11.02.2026
अमर उजाला
3
amarujala.com/lucknow

शिविर में दिया स्वच्छता का संदेश

संवाद न्यूज एजेंसी

गायत्री महाविद्यालय में सफाई करते अतिथि व अन्य। -संवाद

रसिया। बंगला चक के जहान चक में गायत्री महाविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना के सातवें दिन मंगलवार को स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. दिव्यदर्शन तिवारी की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सोहन लाल श्रीवास्तव रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि डॉ. विश्वनाथ श्रीवास्तव और डॉ. मुरारी लाल श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुकेश श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर मौजूद छात्र-छात्राओं को अतिथियों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करना, सेवा भाव से श्रमदान करना और सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाना एनएसएस का मुख्य उद्देश्य है।

छात्राओं ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत साक्षरता जागरूकता यात्रा के साथ हुई। शिविर की थीम साक्षर भारत रही। शिविर में शामिल छात्राओं ने गांवों में महिलाओं को शिक्षा व साक्षरता के क्षेत्र में जागरूक बनाया। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमृता मिश्रा ने बताया कि शिविर के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। स्वयंसेविकाओं ने महिलाओं को अपना नाम लिखने का अभ्यास कराया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने हेतु साक्षरता की आवश्यकता समझाई। (संवाद)

दिनांक–11–02–2026 को महिला महाविद्यालय, बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का तृतीय दिवस निर्धारित थीम "स्वच्छता स्वस्थ समाज की आधारशिला" के अन्तर्गत अत्यन्त उत्साह, अनुशासन एवं सेवा–समर्पण की भावना के साथ प्रारम्भ हुआ। इस दिवस का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं नागरिक दायित्वों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना तथा स्वयंसेविकाओं में नेतृत्व, संगठन क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना रहा । प्रातः काल कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा के नेतृत्व में 50 स्वयंसेविकाएँ शिविर स्थल ग्राम सिसई हैदर के लिए प्रस्थान कर पहुंची। सर्वप्रथम उपस्थिति दर्ज की गई। तत्पश्चात स्वयंसेविकाओं ने पंक्तिबद्ध होकर राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत एवं राष्ट्रगान का गायन किया जिससे राष्ट्रप्रेम एवं सेवा–भावना का वातावरण निर्मित हुआ। कार्यक्रम अधिकारी द्वारा दिनभर की गतिविधियों की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। योगाभ्यास एवं प्रार्थना सत्र के उपरांत प्रशिक्षणात्मक उद्देश्य की पूर्ति हेतु सभी टोलियों के दायित्वों में पूर्ण परिवर्तन किया गया, ताकि प्रत्येक स्वयंसेविका को विविध सामाजिक कार्यों का अनुभव प्राप्त हो सके ।

उदा देवी टोली की स्वयंसेविकाओं को भोजन व्यवस्था एवं पोषण प्रबन्धन का दायित्व सौंपा गया टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए संतुलित एवं स्वास्थ्यवर्धक स्वास्थ्य भोजन का निर्माण एवं वितरण सुनिश्चित किया।

कल्पना चावला टोली की स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता अभियान का कार्य प्रदान किया गया। उन्होंने ग्राम की गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई की तथा चूने का छिड़काव कर स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण का संदेश दिया।

रानी लक्ष्मीबाई बाई टोली की स्वयंसेविकाओं को मतदाता जागरूकता अभियान का दायित्व दिया गया। स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों को लोकतन्त्र में सक्रिय सहभागिता, मताधिकार के महत्व एवं निष्पक्ष मतदान की आवश्यकता के विषय में जागरूक किया।

अहिल्याबाई टोली की स्वयंसेविकाओं को स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का उत्तरदायित्व सौंपा गया उन्होंने व्यक्तिगत स्वच्छता, जलजनित रोगों की रोकथाम, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण तथा संतुलित पोषण के के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

राजिया सुल्ताना टोली की स्वयंसेविकाओं को साक्षरता अभियान संचालित करने का कार्य दिया गया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया तथा उन्हें हस्ताक्षर एवं नाम-लेखन का अभ्यास कराया।

प्रथम सत्र में डॉ0 अमृता मिश्रा, श्रीमती ज्योति त्रिपाठी, डॉ0 रीमा शुक्ला एवं कु0 आकांक्षा पटेल के निर्देशन में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। "स्वच्छ ग्राम-स्वस्थ ग्राम" स्वच्छता अपनाएँ - बीमारी भगाएँ, तथा पराली न जलायें पर्यावरण बचाएँ जैसे प्रभावशाली नारों के माध्यम से जनचेतना का प्रसार किया गया स्वयंसेविकाओं ने घर-घर संपर्क कर कचरा प्रबंधन प्लास्टिक उपयोग में कमी, स्वच्छ जल स्त्रोतों की सुरक्षा तथा व्यक्तिगत स्वच्छ आदतों के महत्व पर बल दिया।

द्वितीय सत्र में डॉ0 रीमा शुक्ला द्वारा "ग्रामीण स्वच्छता: जनस्वास्थ्य एवं सतत विकास" विषय पर एक अत्यन्त सारगर्भित एवं प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में स्वच्छता को केवल भौतिक साफ-सफाई तक सीमित न मानकर उसे समग्र जीवनशैली का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि

वातावरण से संक्रामक रोगोंकी रोकथाम शिशु मृत्यु दर में कमी, तथा सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार संभव है। साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की प्रासंगिकता, कचरा पृथक्करण की आवश्यकता, जल संरक्षण, खुले में शौच के दुष्परिणाम तथा पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को “स्वच्छता दूत” के रूप में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु प्रेरित किया । समापन सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा ने दिवस की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए स्वच्छता को व्यक्तिगत सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्व बताया तथा नियमित रूप से जन-जागरूकता अभियानों से जुड़े रहने का आह्वाहन किया। इस प्रकार सात दिवसीय दिवसी विशेष शिविर शिविर का तृतीय दिवस उद्देश्यपरक, प्रेरणादायी एवं समाजोपयोगी गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

my city | लखनऊ | बृहस्पतिवार • 12.02.2026 | अमर उजाला | 3
amarujala.com/lucknow

मतदान और स्वच्छता पर छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

संवाद न्यूज एजेंसी

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रथम इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन ग्राम सिसई हैदर में विविध जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमृता मिश्रा के निर्देशन में स्वयंसेवी छात्राओं ने ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया।

शिविर के दौरान छात्राओं ने घर-घर जाकर स्वच्छ परिवेश, कचरा प्रबंधन और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाई। इसी क्रम में मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को मताधिकार के महत्व और लोकतंत्र में उनकी सहभागिता की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई।

सिसई हैदर में छात्राओं ने दिया जागरूकता का संदेश

सिसर्द हैदर में एनएसएस की जागरुकता रैली निकालतीं छात्राएं। - स्रोत : कॉलेज

छात्राओं ने जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता अपनाएं, बीमारी भगाएं और मतदान हमारा अधिकार है जैसे नारों के साथ जनचेतना का संचार किया। इस अवसर पर डॉ. ज्योति त्रिपाठी, डॉ. रीमा शुक्ला और डॉ. आकांक्षा पटेल सहित महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

दिनांक 12 फरवरी 2026 को महिला महाविद्यालय, बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0) इकाई–एक द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का चतुर्थ दिवस कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा के कुशल निर्देशन में ग्राम सिसई हैदर में प्रारम्भ हुआ। इस दिवस की निर्धारित थीम “नशामुक्त भारतः स्वस्थ एवं सशक्त समाज की ओर” रही। शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं ग्रामीण समुदाय में नशामुक्ति स्वास्थ्य संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता का प्रसार करना रहा।

प्रातःकाल 50 स्वयंसेविकाएँ निर्धारित समय पर शिविर स्थल पहुँचीं। उपस्थिति के उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी द्वारा दिवस की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए नशामुक्ति अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। योगाभ्यास एवं प्रार्थना सत्र के पश्चात स्वयंसेविकाओं को पूर्व निर्धारित रोटेशन प्रणाली के अंतर्गत विभिन्न दायित्व सौंपे गए। इस दिवस टोलियों के कार्य निम्नानुसार निर्धारित रहें-

उदा देवी टोली की स्वयंसेविकाओं को स्वच्छता अभियान का दायित्व प्रदान किया गया। टोली की स्वयंसेविकाओं ने ग्राम की गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की तथा स्वच्छ परिवेश के माध्यम से नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया।

कल्पना चावला टोली की स्वयंसेविकाओं को मतदाता जागरूकता अभियान का कार्य सौंपा गया। उन्होंने ग्रामीणों को लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता, नैतिक मतदान एवं जिम्मेदार नागरिकता के विषय में जागरूक किया।

रानी लक्ष्मीबाई टोली की स्वयंसेविकाओं को स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का दायित्व दिया गया। स्वयंसेविकाओं ने नशे के दुष्प्रभाव, तंबाकू एवं मादक पदार्थों से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक नुकसान, तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उपायों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

अहिल्याबाई टोली की स्वयंसेविकाओं को साक्षरता अभियान का उत्तरदायित्व सौंपा गया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं एवं किशोरियों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया तथा हस्ताक्षर एवं नाम-लेखन का अभ्यास कराया।

रजिया सुल्ताना टोली की स्वयंसेविकाओं को भोजन व्यवस्था एवं पोषण प्रबंधन का दायित्व प्रदान किया गया। टोली ने स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए संतुलित एवं स्वास्थ्यवर्धक भोजन का निर्माण एवं वितरण सुनिश्चित किया।

प्रातःकालीन सत्र में स्वयंसेविकाओं द्वारा ग्राम में जागरूकता रैली एवं जनसंपर्क अभियान संचालित किया गया। "नशा छोड़ो–जीवन से नाता जोड़ो", "नशामुक्त भारत–स्वस्थ भारत", "स्वस्थ युवा–सशक्त राष्ट्र" जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से जनचेतना का संदेश प्रसारित किया गया। छात्राओं ने घर-घर संपर्क कर नशे के दुष्परिणामों, पारिवारिक विघटन, आर्थिक हानि एवं सामाजिक अव्यवस्था पर प्रकाश डाला तथा नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रेरणा दी।

द्वितीय सत्र में बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिला प्रोबेशन कार्यालय, बहराइच से श्रीमती नीलम शुक्ला (हब जेंडर स्पेशलिस्ट) एवं श्री लक्ष्मीकांत शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में उन्होंने "नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ" विषय पर विस्तृत

जानकारी प्रदान की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन योजना तथा अन्य महिला एवं बाल कल्याणकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं लाभों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने नशामुक्त समाज निर्माण में परिवार एवं युवा वर्ग की भूमिका पर विशेष बल दिया।

शिविर में महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएँ श्रीमती ज्योति त्रिपाठी, डॉ0 रीमा शुक्ला एवं डॉ0. रूही की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने स्वयंसेविकाओं के अनुशासन, सक्रिय सहभागिता एवं समाजोपयोगी कार्यों की सराहना की।

समापन सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0. अमृता मिश्रा ने दिवस की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए नशामुक्ति को सामाजिक उत्थान की अनिवार्य शर्त बताया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को जागरूकता अभियान निरंतर जारी रखने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनने हेतु प्रेरित किया।

इस प्रकार सात दिवसीय विशेष शिविर का चतुर्थ दिवस नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रसार के साथ अत्यंत उद्देश्यपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। यह दिवस स्वयंसेविकाओं में सामाजिक संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा-समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने में महत्व महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

एनएसएस शिविर में चलाया जागरूकता अभियान

महिला पीजी कॉलेज में तीसरे दिन भी हुए विविध कार्यक्रम

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर (डे-कैंप) के चौथे दिन की थीम 'नशा मुक्त भारत' रही। बृहस्पतिवार को ग्राम सिसई हैदर में स्वयंसेवी छात्राओं ने रैली निकालकर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया।

एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमृता मिश्र ने बताया कि कॉलेज की प्राचार्या प्रो. प्रिया मुखर्जी के निर्देशन में सुबह के सत्र में जागरूकता रैली व जनसंपर्क अभियान आयोजित किया गया। साथ ही मतदाता साक्षरता, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर भी जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिला प्रोबेशन कार्यालय से नीलम शुक्ला (हब जेंडर स्पेशलिस्ट) एवं लक्ष्मीकांत शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। (संवाद)

दिनांक 13 फरवरी 2026 को महिला महाविद्यालय, बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई–एक द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का पंचम दिवस सामाजिक जागरूकता, सक्रिय सहभागिता एवं अनुशासन के साथ प्रारम्भ हुआ। दिवस के प्रथम सत्र की थीम "रोड सेफ्टी – सड़क सुरक्षा जागरूकता" निर्धारित की गई, जिसका उद्देश्य ग्रामवासियों को यातायात नियमों के प्रति सजग करना तथा सुरक्षित जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था।

प्रातःकाल स्वयंसेविकाएँ निर्धारित समय पर शिविर स्थल पहुँचीं। उपस्थिति के पश्चात ं राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेविकाओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा द्वारा दिवस की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात रोटेशन प्रणाली के अंतर्गत टोलियों को निम्नानुसार दायित्व सौंपे गए-

रजिया सुल्ताना टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता अभियान संचालित किया। स्वयंसेविकाओं ने ग्राम की गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर स्वच्छ परिवेश बनाए रखने का संदेश दिया।

उदा देवी टोली की स्वयंसेविकाओं ने मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता, मताधिकार के प्रयोग एवं जिम्मेदार नागरिकता के महत्व से अवगत कराया।

कल्पना चावला टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं से बचाव, प्राथमिक उपचार की मूल जानकारी तथा हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया।

लक्ष्मीबाई टोली की स्वयंसेविकाओं ने साक्षरता अभियान के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया तथा हस्ताक्षर एवं मूल लेखन कौशल का अभ्यास कराया।

अहिल्याबाई टोली की स्वयंसेविकाओं ने भोजन व्यवस्था एवं पोषण प्रबंधन का दायित्व संभालते हुए स्वच्छता मानकों के अनुरूप संतुलित भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की।

सड़क सुरक्षा जागरूकता के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं ने आमजन को ट्रैफिक सिग्नलों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है।

द्वितीय सत्र में “महिला सशक्तिकरण शिक्षा, आत्मनिर्भरता एवं अधिकार जागरूकता” विषय पर विशेष व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किसान पी. जी. कालेज, बहराइच की गृह विज्ञान विभाग की प्रवक्ता डॉ0 तसनीम जैदी रहीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा, आत्मविश्वास और कौशल विकास महिला सशक्तिकरण की आधारशिला हैं। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा सामाजिक चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने की प्रेरणा दी।

संवाद सत्र में छात्राओं मुस्कान, शहिना, साक्षी सिंह एवं ताबा इल्लीन ने आत्मनिर्भरता, महिला सुरक्षा, युवाओं की सामाजिक भूमिका एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न प्रस्तुत किए। डॉ0 जैदी ने उत्तर देते हुए शिक्षा एवं कौशल अर्जन को आत्मनिर्भरता का प्रथम चरण बताया, अन्याय की स्थिति में कानूनी सहायता लेने की आवश्यकता पर बल दिया तथा युवाओं को समाज में समानता एवं सम्मान की भावना विकसित करने के

लिए प्रेरित किया। उन्होंने व्यक्तित्व विकास हेतु संवाद कौशल, नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता को अनिवार्य बताया।

कार्यक्रम में डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ0. सरिता यादव एवं कु. मनीषा गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने छात्राओं के उत्साह, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना की।

समापन सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्राओं को सेवा, संवेदना एवं नेतृत्व का सशक्त मंच प्रदान करती है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे सड़क सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का संकल्प लें।

इस प्रकार सात दिवसीय विशेष शिविर का पंचम दिवस ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं सामाजिक चेतना से परिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह दिवस छात्राओं में जागरूक नागरिकता, उत्तरदायित्व-बोध एवं नेतृत्व क्षमता के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

my city
लखनऊ | शनिवार • 14.02.2026
अमर उजाला 3
amarujala.com/lucknow

संकल्प | महिला पीजी कॉलेज में जागरूकता शिविर का पांचवां दिन

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

संवाद न्यूज एजेंसी

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रथम इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम सिसई हैदर में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के पांचवें दिन शुक्रवार को प्राचार्या प्रोफेसर प्रिया मुखर्जी के मार्गदर्शन और कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमृता मिश्रा के नेतृत्व में छात्राओं ने सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया।

नियमों का पालन व सुरक्षित जीवन का लिया संकल्प

स्वयंसेवी छात्राओं ने गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। छात्राओं ने हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग, ट्रैफिक सिग्नल के पालन, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे नियमों की जानकारी दी। छात्राओं ने संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन ही जीवन की सुरक्षा का आधार है।

शिविर के द्वितीय सत्र में किसान पीजी कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. तस्नीम फातिमा जैदी ने छात्राओं के साथ संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. सरिता यादव और मनीषा गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।

शिविर में यातायात के प्रति जागरूक करतीं शिक्षिकाएं व छात्राएं। - स्रोत : आयोजक

एनएसएस छात्राओं ने जगाई जागरूकता की अलख

रिसिया। बंगला चक स्थित जहान चक गांव में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के चौथे दिन शुक्रवार को महिला सशक्तीकरण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मुकेश चंद्र श्रीवास्तव ने समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को अनिवार्य बताया। द्वितीय कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने केंद्र सरकार की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं, प्रोफेसर दयाराम यादव ने संविधान प्रदत्त अधिकारों पर चर्चा करते हुए महिलाओं को जागरूक रहने की सलाह दी। डॉ. मिथिलेश कुमार चौधरी ने स्वयंसेवकों को अनुशासन का महत्व समझाया। शिविर के दौरान राधिका, दरख्शा, कशिश और जानकी सहित अन्य छात्राओं ने टोलियां बनाकर गांव में घर-घर जाकर महिलाओं से संवाद किया। छात्राओं ने महिलाओं को न केवल शिक्षा के प्रति प्रेरित किया, बल्कि उन्हें हस्ताक्षर करना भी सिखाया। दूसरे सत्र में स्वयंसेवकों ने महिला सशक्तीकरण जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक किया। इस अवसर पर प्रोफेसर दयाराम यादव और डेविड कुमार पांडेय सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे। (संवाद)

दिनांक 14 फरवरी 2026 को महिला महाविद्यालय, बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई–एक द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का षष्ठम दिवस ग्राम सिसई हैदर में उत्साह, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता के साथ प्रारम्भ हुआ। इस दिवस की निर्धारित थीम "पर्यावरण संरक्षणः सतत विकास की आधारशिला" रही। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में पर्यावरणीय जागरूकता का प्रसार करना तथा छात्राओं में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व-बोध विकसित करना था।

प्रातःकाल स्वयंसेविकाएँ शिविर स्थल पर एकत्रित हुईं। उपस्थिति के उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं प्लास्टिक उन्मूलन के महत्व पर प्रकाश डाला।रोटेशन प्रणाली के अंतर्गत इस दिवस टोलियों को निम्न दायित्व प्रदान किए गए-

उदा देवी टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया। स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छ पर्यावरण और उत्तम स्वास्थ्य के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करते हुए दूषित जल एवं प्रदूषण से होने वाली बीमारियों की जानकारी दी।

कल्पना चावला टोली की स्वयंसेविकाओं ने साक्षरता अभियान चलाया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं एवं बालिकाओं को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया तथा हस्ताक्षर एवं मूल लेखन कौशल का अभ्यास कराया।

रानी लक्ष्मीबाई टोली की स्वयंसेविकाओं ने भोजन व्यवस्था एवं पोषण प्रबंधन का दायित्व निभाया। स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए संतुलित भोजन की व्यवस्था की गई।

अहिल्याबाई टोली की स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत ग्राम की गलियों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर स्वच्छ परिवेश का संदेश दिया।

रजिया सुल्ताना टोली की स्वयंसेविकाओं ने मतदाता जागरूकता अभियान संचालित कर ग्रामीणों को लोकतांत्रिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहने हेतु प्रेरित किया।

पर्यावरण संरक्षण विषयक जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वयंसेविकाओं द्वारा ग्राम में रैली निकाली गई। "जल है तो कल है", "प्लास्टिक मुक्त भारत–स्वस्थ भारत", "हरित ग्राम–समृद्ध ग्राम" जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया गया। छात्राओं ने ग्रामीणों को जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, वर्षा जल संचयन को अपनाने तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग को त्यागने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। छात्राओं एवं ग्रामवासियों ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर हरित पर्यावरण की दिशा में सकारात्मक पहल की। इस अवसर पर पौधों की देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया गया।

द्वितीय सत्र में महिला थाना से आई टीम द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने छात्राओं एवं ग्रामीण महिलाओं को आत्मरक्षा, कानूनी अधिकारों तथा संकट की स्थिति में सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया।

शिविर में डॉ0 यासमीन फातिमा, डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव एवं कु. आकांक्षा पटेल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सभी ने छात्राओं के अनुशासन, समर्पण एवं सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

समापन अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक दायित्व बताते हुए छात्राओं से प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

इस प्रकार सात दिवसीय विशेष शिविर का षष्ठम दिवस पर्यावरणीय जागरूकता, सामाजिक सहभागिता एवं जनहितकारी गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह दिवस छात्राओं में सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय चेतना एवं नेतृत्व क्षमता के विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

my city

लखनऊ | रविवार • 15.02.2026

अमर उजाला 5

amarujala.com/lucknow

एनएसएस शिविर में छात्राओं ने दिया जल संरक्षण का संदेश

संवाद न्यूज एजेंसी

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन ग्राम सिसई हैदर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय पर्यावरण संरक्षण रहा।

छात्राओं ने गांव में रैली निकालकर ग्रामीणों को पर्यावरण बचाने और जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। साथ ही, सभी को प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ. अमृता मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को जल संचयन की आवश्यकता समझाई।

प्राचार्या प्रो. प्रिया मुखर्जी ने बताया कि पर्यावरण को हरा-भरा रखने के संदेश के साथ शिविर में पौधरोपण भी किया गया। दूसरे सत्र में महिला थाना की टीम ने मिशन शक्ति के अंतर्गत छात्राओं और ग्रामीण महिलाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के बारे में बताया। उन्होंने आपातकालीन स्थिति के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी साझा की। इस कार्यक्रम में डॉ. यासमीन फातिमा, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव और आकांक्षा पटेल का विशेष सहयोग रहा। शिविर का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सिसई हैदर में ग्रामीणों से संवाद करतीं एनएसएस की छात्राएं। -संवाद

सिसई हैदर में गूंजा पर्यावरण बचाओ का नारा, छात्राओं ने किया पौधरोपण

दिनांक-15-02-2026 को महिला महाविद्यालय बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन0एस0एस0) इकाई–एक के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह ग्राम सिसई हैदर में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण के साथ प्रारम्भ हुआ। प्रातः निर्धारित समय पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा के निर्देशन में छात्राएँ शिविर स्थल पर पहुँचीं। सर्वप्रथम उपस्थिति ली गई तथा राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेविकाओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाकर दिन के कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया।

समापन दिवस होने के कारण छात्राओं में विशेष उत्साह दृष्टिगोचर हो रहा था। सभी स्वयंसेविकाएँ अपने-अपने पूर्व निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करने में तत्पर रहीं। छात्राओं ने कार्यक्रम स्थल की समुचित साफ-सफाई की, मार्गों पर चूने का छिड़काव किया तथा अतिथियों एवं ग्रामवासियों के बैठने की समुचित व्यवस्था जिम्मेदारीपूर्वक संभाली। मंच सज्जा, ध्वनि व्यवस्था एवं अतिथि स्वागत की तैयारियाँ सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण की गईं।इसके पश्चात छात्राओं ने ग्रामवासियों से संपर्क कर उन्हें समापन समारोह में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया। साथ ही सामाजिक जागरूकता के अपने संदेश को पुनः सशक्त रूप में दोहराया। स्वयंसेविकाओं ने बाल-विवाह न करने, किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने, शौचालय का नियमित उपयोग करने, स्वच्छता बनाए रखने, बच्चों को बिना किसी लिंगभेद के विद्यालय भेजने तथा अपने मताधिकार का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस जन-जागरूकता अभियान ने ग्रामवासियों पर सकारात्मक प्रभाव डाला।

समापन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। मुस्कान तिवारी ने लोकगीत “कैसे खेलन जैबू सावन में कजरिया” प्रस्तुत कर वातावरण को लोक-सुगंध से सराबोर कर दिया। शाहिना, मुस्कान

नाग, कीर्ति यादव एवं प्रीति ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत "उठे समाज के लिए उठे" प्रस्तुत कर सेवा, समर्पण एवं राष्ट्रनिर्माण का संदेश दिया।

निशा गुप्ता एवं शगुन वर्मा ने देशभक्ति गीत "देश रंगीला-रंगीला" प्रस्तुत कर राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। शीलम ने होरी गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं नाइला ने देशभक्ति गीत के गायन से उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। अंजलि तिवारी द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोकनृत्य ने कार्यक्रम में रंगारंग छटा बिखेरी। ताबा इल्लीन ने कविता पाठ तथा छात्राओं करिशमा, प्रिन्सी, साक्षी सिंह एवं अर्पणा ने महिला शिक्षा पर नाटक प्रस्तुत कर उसके माध्यम से सामाजिक सरोकारों पर अपने विचार व्यक्त किए, जिसे सभी ने सराहा।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने सात दिवसीय विशेष शिविर के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने ग्राम्य जीवन की सादगी, सेवा कार्यों के महत्व, स्वच्छता अभियान, साक्षरता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों से प्राप्त सीख को भावपूर्ण शब्दों में अभिव्यक्त किया। शिविर की पाँचों टोलियों की नायिकाओं ने अपनी-अपनी टोलियों द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और टीम भावना के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अमृता मिश्रा ने सात दिवसीय विशेष शिविर की विस्तृत आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने शिविर की गतिविधियों, उद्देश्यों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस शिविर ने छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन एवं सेवा भावना का विकास किया है। उन्होंने सभी अतिथियों, ग्रामवासियों, महाविद्यालय परिवार एवं स्वयंसेविकाओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

समापन समारोह में डॉ0 यासमीन फातिमा, डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ0. रूही, डॉ0 संजय पाल सिंह, कार्यालय सहायक श्री रामगोपाल पाठक एवं श्री अतुल राव की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने छात्राओं के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस प्रकार सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन उत्साह, अनुशासन, सेवा भावना एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह शिविर न केवल छात्राओं के व्यक्तित्व विकास का माध्यम बना, अपितु ग्रामवासियों में सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक परिवर्तन का प्रेरक भी सिद्ध हुआ।

my city
लखनऊ | सोमवार • 16.02.2026
अमर उजाला 3
amarujala.com/lucknow

लक्ष्यगीत से दिया सेवा भावना का संदेश

एनएसएस शिविर के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

बहराइच। महिला पीजी कॉलेज की एनएसएस इकाई–एक का सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न हो गया। रविवार को कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मुस्कान तिवारी ने लोकगीत- कइसे खेलन जइबू सावन में कजरिया... सुनाकर वातावरण को लोक-सुगंध से सराबोर कर दिया। शाहिना, मुस्कान नाग, कीर्ति यादव और प्रीति ने एनएसएस का लक्ष्यगीत- उठें समाज के लिए... प्रस्तुत कर सेवा भावना का संदेश दिया।

निशा गुप्ता और शगुन वर्मा ने देशभक्ति गीत- देश रंगीला-रंगीला... से राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। शीलम ने होरी गीत पर मनमोहक प्रस्तुति दी, जबकि नाइल ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी को मुग्ध कर दिया। ताबा इल्लीन ने कविता पाठ के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ एनएसएस का विशेष शिविर संपन्न

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमृता मिश्रा ने शिविर की विस्तृत आख्या प्रस्तुत करते हुए सभी के सहयोग के लिए आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. यास्मीन फातिमा, डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव, डॉ. रूही, संजय पाल सिंह, कार्यालय सहायक रामगोपाल पाठक व अतुल राव उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपना बहराइच

लखनऊ, सोमवार, 16 फरवरी 2026 04

कैसे खेलन जैबू सावन में कजरिया...

बहराइच महिला महाविद्यालय बहराइच की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक के सात दिवसीय विशेष शिविर का रविवार को समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मुस्कान तिवारी ने लोकगीत कैसे खेलन जैबू सावन में कजरिया प्रस्तुत कर वातावरण को लोक-सुगंध से सराबोर कर दिया। शाहिना, मुस्कान नाग, कीर्ति यादव एवं प्रीति ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए उठे प्रस्तुत कर सेवा भावना का संदेश दिया। निशा गुप्ता एवं शगुन वर्मा ने देशभक्ति गीत देश रंगीला-रंगीला से राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। शीलम ने होरी गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी तथा नाइल ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

प्राचार्या
महिला महाविद्यालय
बहराइच

Coordinator
I.Q.A.C.
Mahila Mahavidyalaya, Bahraich

कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बहराइच